Ans. (a) – रामस्नेही सम्प्रदाय के संस्थापक संत रामचरण जी का जन्म राजस्थान के टोंक जिले के सोडा-डिग्गी गाँव में 24 फरवरी 1720 को हुआ था। इनके बचपन का नाम राम किशन था। इनके गुरू का नाम 'संत रामकृपा' था। इनके संरक्षण में रामस्नेही सम्प्रदाय का गठन किया गया। इसका मुख्यालय भीलवाड़ा जिले के शाहपुर में स्थित है।

723. 'जसनाथी' सम्प्रदाय की उत्पत्ति किस जिले में हुई?

(a) जोधपुर (b) बीकानेर
(c) टोंक (d) अलवर

उत्तर - (b)

व्याख्या – मध्यकाल में नाथपंथ से प्रभावित जसनाथी सम्प्रदाय राजस्थान में एक प्रसिद्ध सम्प्रदाय के रूप में उभरा। इस सम्प्रदाय के संस्थापक श्री जसनाथजी (ग्राम-कतरिया, बीकानेर) थे। जिन्होंने श्री गोरखनाथ से दीक्षा प्राप्त कर इस सम्प्रदाय को आगे बढ़ाया। जसनाथ जी ने जो उपदेश दिए उनका संग्रह इस सम्प्रदाय के अनुयायी इसके 36 नियमों वाली आचार संहिता का पालन करते हैं। तथा कोंड़ा ग्रन्थों में मिलता है। यह ज्ञान मार्गी सिद्ध सम्प्रदाय है।

724. बखनाजी, संतदास जी, जगन्नाथ दास और माधोदास नामक संतों का संबंध निम्नलिखित में से किस सम्प्रदाय के साथ था?

(a) दादू पंथ (b) लालदासी सम्प्रदाय
(c) जसनाथी सम्प्रदाय (d) रामस्नेही सम्प्रदाय

कनिष्ठ अभियंता (सिविल)-18.05.2022
RPSC RAS (Pre) 2021

Ans. (a) : बखनाजी, संतदास जी, जगन्नाथ दास और माधोदास नामक संतों का संबंध दादू पंथ नामक सम्प्रदाय के साथ था। बखनाजी का जन्म नरेना में हुआ था। ये संगीत विद्या में निपुण थे। इनको हिन्दू व मुसलमान दोनों मानते थे। दादू पंथ के संस्थापक दादू दयाल जी थे जिनका जन्म गुजरात में लगभग 1544 ई. में हुआ था। इन्हें राजस्थान का कबीर कहा जाता है। इनकी एवं इनके शिष्यों की रचनाये ढुंढ़ाती भाषा में पायी जाती है। दादू निर्गुण, निराकार भक्ति धारा के संत थे। इनके उपदेश दादू री वाणी एवं दादू रा दोहा में संग्रहित है। इनके शिष्यों में गरीब दास मिस्किन दास, रज्जब जी, सुन्दर दास थे। दादू पंथ की शाखायें विरक्त, नागा, खाकी, उत्तरादे एवं खालसा है। दादू पंथ का सत्संग स्थल अलख दरीबा कहलाता है।

725. जीवन भर दूल्हे के वेश में रहते हुए दादू के उपदेशों का बखन करने वाले संत कौन थे?

(a) सुन्दर दास जी (b) रज़्जब जी
(c) रामपाल दास जी (d) माधोदास जी

कनिष्ठ लिपिक अभियन्ता 18-05-2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

726. निम्न में से कौन दादू पंथ की शाखाओं में सम्मिलित नहीं है?

(a) विरक्त (b) खाकी
(c) गौड़ीय (d) नागा

RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

727. दादूपंथ की कितनी शाखाएँ थीं-

(a) 04 (b) 05
(c) 06 (d) 08

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

728. निम्नलिखित में से कौन दादूपंथी उप-संप्रदाय नहीं है?

(a) खालसा (b) नाग
(c) खाकी (d) चंडाल

Junior Instructor Welder Dt. 26.03.2019

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

729. दादू और उनके शिष्यों की रचनाएँ अधिकतर किस भाषा में पाई जाती है?

(a) मेवाती (b) ढूंढ़ाड़ी
(c) मेवाड़ी (d) मारवाड़ी

48 LA2018 Question Paper Code-48

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

730. खालसा, खाकी, नागा राजस्थान के किस संप्रदाय के भाग है?

(a) रामस्नेही संप्रदाय (b) दादू पंथ
(c) चरणदासी संप्रदाय (d) लालदासी संप्रदाय

Prayogshala Sahayak (Geography)-30.06.2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

731. 'रज्जब वाणी' पुस्तक किस पंथ/संप्रदाय से संबंधित है?

(a) दादू (b) विश्नोई
(c) रामस्नेही (d) निम्बार्क

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (a) : 'रज्जब वाणी' पुस्तक दादू पंथ/संप्रदाय से सम्बन्धित है। रज्जब वाणी में दादू के उपदेशों का बखान किया गया है। बालिन्द जी इनके शिष्य थे। दादू दयाल का जन्म गुजरात में (अहमदाबाद) 1544 ई. में हुआ था। दादू दयाल ने सांभर में 1574 ई. में दादू पंथ की स्थापना की। इनको 'राजस्थान का कबीर' कहा जाता है तथा इनके सत्संग स्थल को 'अखल दरीबा' कहा जाता है। इनके जाति एवं धर्म को लेकर इतिहासकारों में मतभेद है। कुछ लोग इन्हें धुनिया मानते है। दादू दयाल के पश्चात गरीब दास उत्तराधिकारी बने।

732. बालिन्दजी के गुरु कौन थे-

(a) मंगलाराम जी (b) रामचरण जी
(c) दादू दयाल जी (d) सुन्दर दास जी

Gram Sevek & Hostel Superintendent Ex. Dt. 18.12.2016

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

733. दादू दयाल के निधन के पश्चात दादुपंथ का उत्तराधिकारी किसे नियुक्त किया गया था?

(a) मिस्किन दास (b) गरीब दास
(c) रज्जब (d) नारायण दास

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

734. निरंजनी सम्प्रदाय के संस्थापक कौन थे?

(a) संत रामचरण (b) संत रामदास
(c) संत निरंजन दास (d) संत हरिदास

हथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्षा-2018
महिला सुपरवाइजर परीक्षा -2018
कनिष्ठ अभियंता विद्युत/डिप्लोमा -2020
अन्वेषक भर्ती परीक्षा -2019
RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (d) : वर्तमान में वैष्णव निरंजनी के नाम से पूरे राजस्थान में विख्यात निरंजनी सम्प्रदाय की स्थापना 15वीं शताब्दी के प्रसिद्ध संत हरिदास ने की थी। निरंजनी सम्प्रदाय ज्ञान, भक्ति तथा वैराग्य का सम्मिश्रण है।